FA	2

राज्य स्तरीय आकलन

सत्र 2019–20

सुझावात्मक गतिविधियाँ

कक्षा : आठवीं **विषय :** हिंदी

Paper Code : 8011 **पूर्णांक :** 10

निर्देश – खण्ड 'अ' से कोई एक गतिविधि तथा खण्ड 'ब' से कोई एक गतिविधि करावें।

खण्ड 'अ' **(अंक 05)**

LO – L-808 - विभिन्न प्रकार की सामग्री जैसे कहानी, लेख, रिपोतार्ज, संस्मरण, निबन्ध, व्यंग्य आदि को पढ़ते हुए अथवा पाठ्यवस्तु की बारीकी से जाँच करते हुए उनका अनुमान लगाते हैं, विश्लेषण करते हैं, विशेष बिन्दु खोजते हैं।

1. गतिविधि – लक्ष्य निर्धारण और लक्ष्य प्राप्ति की समझ

गतिविधि – शिक्षक कक्षा में बच्चों से अपने लक्ष्य को लेकर एक लेख प्रतियोगिता करायें।

निर्देश :–

1. शिक्षक के द्वारा छात्रों को महापुरूषों के जीवन का लक्ष्य व प्रसिद्धि से संबंधित आडियो/वीडियो/चलचित्र दिखायेंगे या कहानी सुनाएंगे।
2. शिक्षक दिखाए/सुनाए हुए संदर्भ पर चर्चा करेंगे।
3. शिक्षक छात्रों से उनके लक्ष्य पर बात करेंगे।
4. शिक्षक छात्रों से उनके लक्ष्य पर लेख लिखने को कहेंगे।
5. शिक्षक छात्रों के द्वारा बताये गये लक्ष्य को दूसरे समूह के छात्र से श्यामपट्ट पर बिंदुवार लिखने को कहेंगे।
6. शिक्षक छात्रों के जीवन लक्ष्य पर (क्यों व कैसे) पहुँचेंगे, इस विषय पर अपनी बात रखने को कहेंगे।
7. प्रत्येक छात्र को अभिव्यक्ति का अवसर प्रदान करेंगे।

कौशल – 1. तर्कशक्ति

2. कल्पनाशीलता

3. शब्दभंडार में वृद्धि

4. अभिव्यक्ति

5. चिंतन

6. लेखन कौशल का विकास

2. गतिविधि – विभिन्न प्रकार के पत्र पत्रिकाओं से अवगत कराना।

गतिविधि – शिक्षक बच्चों को समाचार पत्र, कहानी लेख, साहित्य, आदि देकर बच्चों से उस पर एक लेख तैयार करायेंगे।

निर्देश :– 1. शिक्षक छात्र संख्या के अनुसार समूह विभाजन करेंगे।

2. विभिन्न पत्र पत्रिकाओं की सूची बनाने कहेंगे।

3. सूची में उल्लेखित पत्र पत्रिकाओं पर छात्रों के द्वारा समूह में चर्चा की जायेगी।

4. शिक्षक बच्चों के समूह में जाकर चर्चा को सुनेंगे।

5. चर्चा के पश्चात प्रत्येक छात्र के द्वारा लेख तैयार किया जायेगा।

6. भित्ति पत्रिका पर लेखों को प्रदर्शित किया जायेगा।

कौशल :– 1. अभिव्यक्ति
2. चिंतन
3. लेखन
4. शब्दभंडार के वृद्धि

3. गतिविधि – शून्य से शिखर तक (प्रेरणा)

गतिविधि शिक्षक ऐसे महान व्यक्तियों से संबंधित वीडियो, किताब, साहित्य या लेख छात्रों को उपलब्ध कराये, जिन्होंने अपने जीवन के विषम परिस्थितियों में भी अपनी अमिट पहचान बनायी।

जैसेः– डॉ.ए.पी.जे. अब्दुल कलाम, डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन्।

निर्देश :– 1. शिक्षक बच्चों को प्रेरणा लेख एवं साहित्य उपलब्ध करावें।

2. बच्चों को समूह में विभाजित कर लेंवे।

3. प्रत्येक बच्चा चर्चा में शामिल हो, शिक्षक अवलोकन करें।

4. प्रत्येक बच्चों को अपने प्रेरणा स्त्रोत के बारे में बताने को कहेंगे।

5. बच्चे लिखित सामग्री को किताब का रूप देंगे।

6. लिखे गये लेख का वाचन करेंगे।

कौशल – 1. अभिव्यक्ति

2. लेखन

3. सृजनात्मक

4. वाचन

खण्ड – ब (अंक 05)

LO – L-820 - विविध कलाओं जैसे–हस्तकला, वास्तुकला, खेती–बाड़ी, नृत्यकला और इनमें प्रयोग होने वाली भाषा (रजिस्टर) का सृजनात्मक प्रयोग करते हैं जैसे– कला के बीज बोना मनमोहक मुद्राएँ, रस की अनुभूति।

1. गतिविधि – छत्तीसगढ़ की संस्कृति की पहचान

छत्तीसगढ़ की संस्कृति की पहचान कराने वाले लोकनृत्य जैसे– सुआनृत्य, करमा, ददरिया के बारे में समूह में चर्चा करना।

निर्देश :– 1. शिक्षक लोक संस्कृति से संबंधित वीडियो, फिल्म या चलचित्र, मोबाईल से दिखायेंगे।

2. शिक्षक छात्रों को समूह विभाजित करेंगे।

3. शिक्षक छात्रों को छत्तीसगढ़ी लोक नृत्यों को दिखाकर उनकी रूचि तथा रूचि का कारण पूछेंगे। साथ ही दिखाये गये नृत्य को पहचानने के लिए कहेंगे।

4. एक छात्र के द्वारा पहचाने गये लोकनृत्यों को, दूसरे छात्र को शिक्षक के द्वारा श्यामपट्ट पर लिखने के लिए कहेंगे।

5. कक्षा के प्रत्येक छात्र को अभिव्यक्ति का अवसर दिया जाय।

6. शिक्षक के द्वारा क्षेत्र विशेष की लोकनृत्यों को समूह में करवाया जा सकता है।

7. दिखाए गए नृत्य के बारे में पूछा जा सकता है। जैसे –

   1. किस स्थान के सम्बन्धित है?
   2. नृत्य की विशेषता
   3. नृत्य के परिधान
   4. नृत्य के पीछे कोई धारणा

कौशल – 1. श्रवण

2. तर्कशक्ति

3. अभिव्यक्ति

4. कल्पनाशीलता

2. गतिविधि – कृषि का महत्व या उपयोगिता की समझ

गतिविधि – मानव जीवन में कृषि के महत्व से छात्रों को अवगत कराना।

निर्देश – 1. शिक्षक छात्रों को आडियो/वीडियो, चलचित्रों, मोबाइल आदि का उपयोग कर कृषि कार्य संबंधी जानकारी, (गीत, कहानी, चित्र) दिखायेंगे।

2. छात्रों को समूह में विभाजन करेंगे।

3. शिक्षक छात्रों से कृषि कार्य हेतु आवश्यक संसाधनों, उपकरणों पर चर्चा करेंगे।

4. बीज बोने से लेकर फसल के पकने तक और उसके बाद की प्रक्रिया पर शिक्षक छात्रों से अनुभव साझा करेंगे।

5. शिक्षक छात्रों के कृषि कार्य व कृषक से संबंधित समझ का संवर्धन करेंगे तथा उनकी समझ को पूछेंगे।

6. छात्रों के द्वारा प्रतिक्रिया/जवाब को बिदुंवार अन्य छात्रों से श्यामपट पर लिखने के लिए कहेंगे।

7. सभी छात्रों को अभिव्यक्ति के समान अवसर देंगे।

8. छात्रों से मिले हुए नकारात्मक व सकारात्मक जवाब पर शिक्षक चर्चा के द्वारा सही समझ स्थापित करेंगे।

कौशल – 1. जिज्ञासा

2. तर्कशक्ति

3. अभिव्यक्ति

4. कल्पना शीलता

5. चिंतन

6. लेखन कौशल

3. गतिविधि – <u>भाषण कला की समझ</u>

गतिविधि – विभिन्न आयोजनों में बोले जाने वाले भाषणों पर चर्चा करना।

निर्देश – 1. शिक्षक छात्रों को आडियो/वीडियो/चलचित्र मोबाइल के माध्यम से महापुरूषों/नेताओं वक्ताओं के भाषण दिखायेंगे/ दिखायेंगे।

2. शिक्षक छात्रों से प्रश्न करेंगे कि सुने हुए भाषण में से कौन सा भाषण रूचिकर व प्रभावशाली था और क्यों?

3. शिक्षक छात्रों को अपने विचार सबके सामने रखने को कहेंगे। (भाषण की तरह)

4. शिक्षक छात्रों से भाषण बोलने के पूर्व की तैयारी कैसे करें इस पर चर्चा करेंगे

5. शिक्षक छात्रों को भाषण के प्रकार व महत्व बतायेंगे।

6. छोटे–छोटे बिंदु पर छात्रों को बोलने के लिए प्रोत्साहित करेंगे।

कौशल – 1. आत्मविश्वास में वृद्धि

2. अभिव्यक्ति

3. भाषण कला का विकास

4. तर्कशक्ति

5. चिंतन

●●●